	प्रथम प्रश्पत्र समाजशास्त्रीय विचारक	• पाठ्यक्रम समाजशास्त्रीय विचार प्रक्रिया को सीखने, समीक्षात्मक रूप से विश्लेषण और व्याख्या करने के लिए सैद्धांतिक अंतर्दृष्टि प्रदान करेगा। • छात्रों को समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण और सिद्धांतो से भी परिचित कराएगा। • सामाजिक चिंतन के विकास के साथ- साथ सामाजिक चिंतकों की अभिवृतियों की भी जानकारी प्राप्त होगी। • छात्रों को वैज्ञानिक व्याख्या तथा कार्यकरण संबंध विकसित करने में मदद करेगी।
6.	द्वितीय प्रश्पत्र सामाजिक अनुसंधान की विधि	यह प्रश्नपत्र विद्यार्थियों को शोध अंतर्ज्ञान विकसित करने में सहायता करेगा। इसके माध्यम से विद्यार्थियों को वैज्ञानिक पद्धति की प्रकृति तथा मूल्य तटस्थता को प्राप्त करने की जानकारी प्राप्त होगी। • यह प्रश्न-पत्र विद्यार्थियों को यथार्थ के महत्व तथा वस्तुनिष्ठ एवं विश्वसनीय जानकारी एकत्र करने के तरीकों के बारे में शिक्षा देगा। • यह उनमें पठन, लेखन तथा तर्क करने की दक्षता विकसित करेगा। • इस प्रश्न-पत्र का अभिकल्पन विद्यार्थियों को सामाजिक प्रघटनाको के वैज्ञानिक अध्ययन से परिचित कराएगा।

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर			
क्रमांक	प्रश्नपत्र	प्रश्नपत्र का नाम	कोर्स-लर्निंग आउटकम
1.	प्रथम प्रश्नपत्र	शास्त्रीय समाजशास्त्रीय परम्पराएँ	• इस प्रश्नपत्र के माध्यम से विद्यार्थियों को समाजशास्त्र के उद्भव की ऐतिहासिक एवं सामाजिक- सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से अवगत हो सकेंगे। • इस प्रश्पत्र के अधययन से शास्त्रीय समाजशास्त्रीय सिद्धांतों को समझने में सहायता मिलेगी। • शास्त्रीय विचारकों के योगदानों से विद्यार्थी अवगत हो सकेंगे।
2.	द्वितीय प्रश्नपत्र	सामाजिक शोध की पद्धतियाँ – II	• 1 . यह प्रश्न-पत्र विद्यार्थियों को यथार्थ के महत्व तथा वस्तुनिष्ठ एवं विश्वसनीय जानकारी एकत्र करने के तरीकों के बारे में शिक्षा देगा। • 2. यह उनमें पठन, लेखन तथा तर्क करने की दक्षता विकसित करेगा। • 3. इस प्रश्न-पत्र का अभिकल्पन विद्यार्थियों को सामाजिक प्रघटना के वैज्ञानिक अध्ययन से परिचित कराएगा।
3.			• यह प्रश्नपत्र विद्यार्थियों को ग्रामीण सामाजिक संरचना को समझने में सहायता प्रदान करेगा।

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Distt. Anuppur (M.P.)

	तृतीय प्रश्नपत्र	भारत में ग्रामीण समाज	• विद्यार्थी ग्रामीण सामाजिक संस्थाओं जैसे परिवार, विवाह , नेतृत्व से अवगत होंगे। • विद्यार्थी ग्रामीण सामुदायिक जीवन की विशेषताओं को समझ सकेंगे।
4.	चतुर्थ प्रश्नपत्र	भारत में नगरीय समाज	• यह प्रश्नपत्र विद्यार्थियों को नगरीय सामाजिक संरचना को समझने में सहायता प्रदान करेगा। • विद्यार्थी नगरीय सामुदायिक जीवन की विशेषताओं को समझ सकेंगे। • विद्यार्थी नगरीय जीवन की जटिलता से अवगत हो सकेंगे। • नगरों के उद्विकास एवं प्रकारों को समझने का अवसर मिलेगा।

स्नातकोत्तर द्वितीय सेमेस्टर

1	प्रथम प्रश्नपत्र	शास्त्रीय समाजशास्त्रीय परम्पराएँ- II	• औद्योगिक क्रांति एवं औद्योगिक क्रांति के परिणामस्वरूप सामाजिक जीवन में आयी जटिलताओं को समझना। • सामाजशास्त्र के प्रारम्भिक विचारकों के शास्त्रीय विचारों से विद्यार्थी अवगत हो सकेंगे। • विद्यार्थी अनेक महत्त्वपूर्ण विचारधाराओं जैसे समाजवाद, पूंजीवाद को गहनता से समझ सकेंगे।
2	द्वितीय प्रश्नपत्र	सामाजिक शोध की पद्धतियाँ – II	• यह प्रश्नपत्र विद्यार्थियों में शोध के गणनात्मक प्रविधि की समझ को विकसित करेगा। • इसका उद्देश्य विद्यार्थियों में सांख्यकीय विधियों से विद्यार्थी को अवगत कराना है। • इसके माध्यम से विद्यार्थी शोध में संकलित तथ्यों का अधिक व्यवस्थित, वैज्ञानिक एवं विश्वसनीय विश्लेषण करना सीख सकेंगे।
3	तृतीय प्रश्नपत्र	भारत में ग्रामीण समाज – II	• यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को ग्रामीण विकास हेतु किये जा रहे विभिन्न प्रयासों को समझने में सहायता करेगा। • विद्यार्थी ग्रामीण विकास एवं ग्रामीण पुनर्निमाण की अवधारणाओं को समझ सकेंगे। • इस प्रश्नपत्र के अध्ययन से ग्रामीण समाज में हो रहे परिवर्तनों को समझने का अवसर मिलेगा।
4	चतुर्थ प्रश्नपत्र	भारत में नगरीय समाज – II	• यह प्रश्नपत्र विद्यार्थियों को नगरीय सामाजिक संरचना को समझने में सहायता प्रदान करेगा। • विद्यार्थी नगरीय सामुदायिक जीवन की विशेषताओं को समझ सकेंगे।

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Dist. Anuppur (M.P.)

			• विद्यार्थी नगरीय जीवन की जटिलता से अवगत हो सकेंगे। • नगरों के उद्विकास एवं प्रकारों को समझने का अवसर मिलेगा।
		स्नातकोत्तर तृतीय सेमेस्टर	
1	प्रथम प्रश्नपत्र	परिवार, विवाह एवं नातेदारी का समाजशास्त्र	• इस प्रश्नपत्र के अध्ययन से विद्यार्थी सामाजिक संरचना की मूलभूत इकाई जैसे परिवार, विवाह एवं नातेदारी की संकल्पना, उद्विकास एवं भारत के विभिन्न समुदायों में इसके स्वरूपों को समझ सकेंगे। • परिवार, विवाह एवं नातेदारी के स्वरूपों में समय के सापेक्ष हो रहे परिवर्तनों से विद्यार्थी अवगत होंगे। • भारतीय सामाजिक संरचना की इन मूल इकाइयों पर वैश्वीकरण के प्रभावों को समझ सकेंगे।
2	द्वितीय प्रश्नपत्र	भारतीय समाज एवं संस्कृत	• इस प्रश्नपत्र के अध्ययन से भारतीय समाज के प्रमुख तत्त्वों को समझने का अवसर प्राप्त होगा जो भारत समाज के सम्बन्ध में व्यापक समझ विकसित करेगा। • संस्कृति एवं इससे सम्बद्ध अवधारणाओं को विद्यार्थी समग्रता से समझ सकेंगे। • भारतीय समाज के प्रमुख समुदायों यथा ग्रामीण समुदाय, नगरीय समुदाय एवं जनजातीय समुदाय के प्रति एक सपष्ट दृष्टिकोण विकसित हो सकेगा।
3	तृतीय प्रश्नपत्र	समाजशास्त्रीय निबन्ध	• इस प्रश्पत्र का उद्देश्य विद्यार्थी को प्रमुख समकालीन सामाजिक मुद्दों के प्रति संवेदनशील बनाना है। • सामाजिक समस्याओं को विद्यार्थी अधिक गहराई से समझ सकेंगे और उनमें इन विषयों के प्रति एक नई अंतर्दृष्टि उत्पन्न होगी। • विद्यार्थी परिवर्तन जैसे जटिल प्रक्रियाओं से अवगत हो सकेंगे।

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Distt. Anuppur (M.P.)

	चतुर्थ प्रश्नपत्र	अपराधशास्त्र (वैकल्पिक)	• इस प्रश्नपत्र के अध्ययन से विद्यार्थी अपराध की अवधारणा, कारक ,तत्त्व एवं प्रकार को समझ सकेंगे। • अपराध के प्रमुख सिद्धांतो को समझने का अवसर प्राप्त होगा। • अपराध में समाज की भूमिका को जानने का अवसर मिलेगा। • अपराधी व्यवहार के सुधारात्मक कार्यक्रमों एवं प्रयासों से विद्यार्थी अवगत हो सकेंगे, साथ दंड की अवधारणा को समझ सकेंगे।
स्नातकोत्तर चतुर्थ सेमेस्टर			
1	प्रथम प्रश्नपत्र	समाजशास्त्र के सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य	• इस प्रश्नपत्र के अध्ययन से विद्यार्थी समाजशास्त्रीय सिद्धांत का अर्थ, प्रकृति एवं निर्माण की प्रक्रिया को समझ सकेंगे। • महत्त्वपूर्ण शास्त्रीय एवं आधुनिक समाजशास्त्रीय सिद्धांतो का अध्ययन एक नया दृष्टिकोण उत्पन्न करने में सहायक होगा। • सामजिक विचारों के इतिहास एवं उनकी रचना के क्रम को समझने में सहायता मिलेगी।
2	द्वितीय प्रश्नपत्र	परिवर्तन एवं विकास का समाजशास्त्र	• सामाजिक परिवर्तन जैसे जटिल प्रक्रियाओं, स्वरूपों एवं कारकों को समझने का अवसर प्राप्त हो सकेगा। • सामाजिक परिवर्तन की विभिन्न प्रक्रियाओं एवं जटिलताओं को समझने में सहायता मिलेगी। • विद्यार्थी विकास की अवधारणा का अध्ययन करेंगे साथ ही विकास के प्रमुख मॉडलों के प्रति एक गहरी समझ विकसित हो सकेगी। • इस प्रश्नपत्र के अध्ययन से विद्यार्थियों में तार्किक क्षमता विकसित हो सकेगी।
3	तृतीय प्रश्नपत्र	राजनीतिक समाजशास्त्र	• यह प्रश्नपत्र विद्यार्थियों विभिन्न राजनीतिक प्रक्रियाओं को समझने में सहायता करेगा। • शासन व्यवस्था के प्रमुख प्रकारों के प्रति व्यापक समझ विकसित हो सकेगी। • प्रमुख राजनीतिक अवधारणाओं के प्रति स्पष्टता आएगी तथा इस सम्बन्ध में चिंतन का नया दृष्टिकोण उत्पन्न होगा।
5	चतुर्थ प्रश्नपत्र	औद्योगिक समाजशास्त्र (वैकल्पिक)	• यह प्रश्नपत्र औद्योगिक समाज की संरचना एवं संघटन को समझने में सहायता करेगा। • औद्योगिक समाज की प्रमुख समस्याओं से अवगत होंगे एवं उनके निदान का प्रयास कर सकेंगे।

Govt. Tulsi College Anuppur
Dist. Anuppur (M.P.)

			• सामूहिक प्रबन्धन, कार्य में मानवीय सम्बन्ध जैसे सिद्धांतो का अध्ययन कर सकेंगे। • औद्योगिक सामाजिक संरचना में हो रहे परिवर्तनों को समझ सकेंगे।
6.	पंचम प्रश्पत्र	सामाजिक जनांकिकी (वैकल्पिक)	• भारतीय समाज की जनसंख्यात्मक संरचना को समझने का अवसर मिलेगा। • जनसंख्या के वितरण के विभिन्न आधारों से विद्यार्थी अवगत हो सकेंगे। • यह पाठ्यक्रम जनसंख्या सम्बन्धी सिद्धांतों को समझने में सहायता करेगा।
7.	परियोजना	---	• विद्यार्थी परियोजना के माध्यम से सामाजिक समस्याओं के व्यावहारिक पक्षों को समझ सकेंगे। • महत्त्वपूर्ण सामाजिक मुद्दों और समस्याओं को गहराई से समझ सकेंगे। • विद्यार्थी अनुसन्धान के प्रति उन्मुख होंगे।

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Distt. Anuppur (M.P.)

Distt. Anuppur (M.P.)